Title: Urgent need to look into the financial crisis of the state of Bihar.

श्री राजीव प्रताप रूडी : उपाध्यक्ष महोद्य, बहुत-बहुत धन्यवाद। मूझे बहुत प्रतीक्षा के बाद वक्त मिला। जैसा कि आप जानते होंगे कि बिहार के बंट्वारे और न्ये झारखंड राज्य के निर्माण के बाद आज बिहार की लग्भग एक तिहाई धरती और दो करोड़ की आबादी झारखंड क्षेत्र में चली ग्यी है। शे बिहार में आज सात करोड़ की आबादी है। इस न्ये राज्य के निर्माण के प्श्चात् बिहार के राज्स्व का घाटा लग्भग तीन हजार करोड़ रुप्ये है और झारखंड राज्य का राज्स्व लग्भग 1500 करोड़ रुप्ये अधिक है। बिहार की वित्तीय बदहाली आज इस परिस्थिति में आ चुकी है। यदि केन्द्र सरकार जैसा कि बिल में प्रस्ताव दिया ग्या था कि एक विशे प्रकोठ का गठन किया जायेगा और योजना आयोग द्वारा इस विशे प्रकोठ के गठन के प्श्चात् बिहार में आने वाले दिनों में जो वित्तीय अनुदान दिया जाना है, तो किस प्रकार से इस प्रक्रिया को पूरा किया जायेगा । मैं आपके माध्यम से माननीय संबंधित मंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि शे बिहार जिसकी बदहाली बहुत ज्यादा है, अगर उस तरफ ध्यान नहीं दिया ग्या तो आने वाले दिनों में बिहार की स्थिति सोमालिया की तरह हो जायेगी। मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहूंगा कि बिहार की तरफ विशे ध्यान दिया जाये।